पत्रिका, भोपाल
22 MAR 2017

ब्लॉग

विश्व जल दिवस और नमामि देवि नर्मदे सेवा यात्रा का महत्व

शिवराज सिंह चौहान।

विश्व जल दिवस 22 मार्च को है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी के संरक्षण के विश्व के सबसे बड़े अभियान के बारे में बात करना प्रासंगिक है। भारतीय संस्कृति में जल को बहुत अधिक महत्व दिया गया है और इसे विश्व को हमसे सीखने की जरूरत है। हिन्दू संस्कृति में हम विश्वास करते हैं? कि हमारा पूरा जीवन जन्म से मृत्यु तक जल पर आधारित है। हम सभी उत्सवों और धार्मिक क्रिया-कलापों में जल का उपयोग करते हैं।

'गंगा च यमुने चेवा गोदावरी सरस्वती, नर्मदे सिंधो कावेरी, जलेस्मिन् सान्निध्यम कुरू'

जल हमारी जीवन-रेखा है और हमारे अस्तित्व का मुख्य आधार है। विश्व की लगभग सभी सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित और पल्लवित हुई हैं। ऋग्वेद में नदी सुक्त का वर्णन है। संत-महात्माओं ने नदियों को जीवनदायिनी, जीवनपोषिणी और जीवन को संरक्षित करने वाली देवी मां का दर्जा दिया है।

मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि उसे पांच बड़े नदी कछारों का आशीर्वाद मिला है। प्रदेश में 3900 किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में नदियों का बहाव है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम इस आशीर्वाद को हमेशा के लिए अपने साथ बनाए रखें।

मित्रों, विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में आज जब मैं यह लिख रहा हूं तो जल एक तेजी से घटते हुए संसाधन में बदल रहा है। भारत में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 3000 क्यूबिक लीटर से घटकर 1123 क्यूबिक लीटर रह गई है। दूसरी ओर प्रतिव्यक्ति जल उपलब्धता का वैश्विक औसत 6000 क्यूबिक लीटर है। बढ़ती हुई जनसंख्या के अलावा लोगों द्वारा पानी का बड़ी मात्रा में दुरूपयोग इसका मुख्य कारण है। हम जानते हैं कि आने वाले वर्षों में जल की मांग और बढ़ेगी। इस बढ़ती मांग का सामना करने के लिए हमें हमारे जल संसाधनों का किफायती उपयोग करना सीखना होगा। भावी पीढ़ियों के लिए हमारी नदियों को संरक्षित रखने की महत्ता को समझते हुए ही मेरी सरकार ने 11 दिसम्बर 2016 से नर्मदा सेवा यात्रा शुरू की है।

नर्मदा नदी मध्यप्रदेश की जीवन-रेखा है। यह भारतीय उप महाद्वीप की पांचवी सबसे बड़ी नदी होने के साथ ही भारत की सात पवित्र नदियों में से एक है। नर्मदा सेवा यात्रा का उद्देश्य प्रदेश की इस सबसे बड़ी नदी के संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। आज मुझे प्रसन्नता है कि यह यात्रा एक बड़ा जन-आंदोलन बन गई है।

(ब्लॉगर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।)